



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 279]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 25, 2003/अग्राहायण 4, 1925

No. 279]

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 25, 2003/AGRAHANA 4, 1925

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 2003

निधन सूचना

सं. 3/7/2003-पब्लिक.—केन्द्रीय केबिनेट मंत्री श्री मुरासोली मारन का रविवार, 23 नवम्बर, 2003 को 19.05 बजे अपोलो अस्पताल, चेन्नई, तमिलनाडु में निधन हो गया। श्री मुरासोली मारन के निधन से देश ने एक अनुभवी संसदविद् तथा सच्चा प्रजातंत्रवादी खो दिया है।

2. श्री मुरासोली मारन का जन्म श्रीमती और श्री शण्मुग सुंदरम् के यहां 17 अगस्त, 1934 को ग्राम तिरुक्कुवलई, तमिलनाडु में हुआ। उन्होंने अपनी शिक्षा पचैयप्पा कॉलेज, चेन्नई से प्राप्त की जहां से उन्होंने राजनीतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। डीएमके के गठन के बाद से ही श्री मारन इस पार्टी के साथ जुड़े रहे और इसे शैक्षणिक एवं बौद्धिक समर्थन प्रदान करते रहे। श्री मारन एक पत्रकार तथा एक राजनैतिक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। वे पहली बार 1967 में लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए। वे पांच बार लोक सभा के सदस्य रहे। तीन बार वे राज्य सभा के भी सदस्य रहे।

3. 1989-90 में वे केन्द्र में शहरी विकास के केबिनेट मंत्री बने। बाद में उन्हें उद्योग और वाणिज्य विभागों का कार्यभार सौंपा गया। उन्होंने विभिन्न संसदीय समितियों के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। वे एक सक्रिय सांसद तथा एक कुशल प्रशासक के रूप में जाने जाते थे।

4. श्री मारन एक सुविख्यात पत्रकार, लेखक तथा स्क्रीन प्लेराइट भी थे। उन्हें 1975 में संगीत नाटक अकादमी द्वारा कलाई-मामानी की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्हें राष्ट्रपति का मेरिट प्रमाण पत्र तथा तीन सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्मों के लिए तमिलनाडु सरकार का पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने एक तमिल समाचार-पत्र "मुरासोली डेली" तथा एक अंग्रेजी साप्ताहिक "द राजिंग सन" का संपादन किया। उन्होंने राजनीति पर अनेक पुस्तकें तथा तमिल में लघु कथा संग्रह प्रकाशित किए जिनमें केन्द्र-राज्य सम्बन्धों पर एक शोध कार्य "स्टेट ऑटोनोमी-मनीला सुयाची" तथा द्रविड़ आंदोलन के इतिहास के बारे में एक पुस्तक "द्रविड़ इयाक्का वारालार, खण्ड-I" शामिल है।

5. श्री मारन को सामाजिक तथा सांस्कृतिक कार्यकलापों एवं खेलकूद में भी गहरी रुचि थी। श्री मारन मद्रास प्रैस क्लब के संस्थापक-सदस्य तथा प्रथम अध्यक्ष थे और पचैयप्पाज़ ट्रस्ट बोर्ड के ट्रस्टी थे। वे इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली के भी सदस्य थे।

6. श्री मुरासोली मारन के असामयिक निधन से भारतीय राजनीति में एक ऐसी रिक्ति पैदा हो गई है जिसे भरना कठिन है।

7. श्री मुरासोली मारन अपने पीछे अपनी पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री छोड़ गए हैं।

नी. गोपालास्वामी, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS**NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th November, 2003

OBITUARY

No. 3/7/2003-Public.— Shri Murasoli Maran, Union Cabinet Minister, passed away at 19.05 hrs on Sunday, the 23rd November, 2003, at Apollo Hospital, Chennai, Tamil Nadu. The death of Shri Murasoli Maran has deprived the country of a seasoned parliamentarian and a democrat to the core.

2. Born to Smt. and Shri Shanmuga Sundram at village Thirukkuvalai in Tamil Nadu on 17th August, 1934, Shri Murasoli Maran received his education at Pachaiyappa's College, Chennai, from where he obtained post graduate degree in Political Science. Shri Maran had been with DMK from its inception providing academic and intellectual support to the party. A Journalist and a political and social worker, Shri Maran was elected to the Lok Sabha for the first time in 1967. He was member of the Lok Sabha for five terms. He also served as a Member, Rajya Sabha for three terms.

3. In 1989-90, he became Union Cabinet Minister for Urban Development. Later, he held Industry and Commerce portfolios. He served as a Member on various Parliamentary Committees. He had a formidable

reputation as an active Parliamentarian and an efficient administrator.

4. Shri Maran was also an eminent journalist, author and screen-playwright. He was conferred the title Kalai-Mamani by the Sangeet Natak Academy in 1975 and was awarded President's Certificate of Merit and Tamil Nadu Government's Award for three best feature films. He edited "Murasoli daily", a newspaper in Tamil and "The Rising Sun", a weekly in English. He published a number of books on politics and short story collections in Tamil which include "State Autonomy-Manila Suyatchi", a research work on Centre-State relations and "Dravida Iyakka Varalaru Vol.I", a book on the history of the Dravidian movement.

5. Shri Maran also had keen interest in social and cultural activities and sports. He was founder-member and the first President of Madras Press Club and Trustee of Pachaiyappa's Trust Board. He was also member of India International Centre, New Delhi.

6. The untimely death of Shri Murasoli Maran has left a void which would be difficult to fill in the Indian polity.

7. Shri Murasoli Maran is survived by his wife, two sons and one daughter.

N. GOPALASWAMI, Secy.